आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में "जल सोफ" महामारी

*353. **जी विशम्भरनाथ पाण्डे :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1988–89 में मध्य प्रदेश का बालाघाट जिले और आन्ध्र प्रदेश का कडापा जिले में "जल सौफ" महामारी का प्रकोप हुआ ;

(ख) क्या यह भी सच है कि राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद ने प्रभावित परिषदों द्वारा प्रयोग किये गये खाद्य तेलों के नमूनों का परीक्षण किया तथा 40 प्रतिशत नमूनों में अ.रजीम.न तेल की मिलावट पाई गई ;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने मैसूर पुणे, कलकत्ता, लुधियाना और हैदराबाद में खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण होने वाले रोगों का पता लगाने के लिए एक बहु-आयामी अध्ययन शुरू किया है; और

(घ) यदि हां, तो अध्ययन समूहों की सिफारिशें क्या हैं और उन पर क्या अनुवर्ती कार्यवाही की गई है ?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद) (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् वोविन दूध, गेहूं, चावल और शिशु दूध तथा पूरक आहारों, में कीट-नाशक अवशिष्टों (डी.डी.टी. और पी. एच. सी.) शिशु दूध तथा पूरक आहारों, हल्दी, डिब्बा बन्द फल उत्पादों और पत्तेदार सब्जियों में भारी धातु (सीसा, अरगला, सांख्यि तांबा, जस्ता, टीन), मूंगफली, मकई और गेहूं में एफ्लाटाक्सिन बी जैसे कुछ अत्यधिक जोखिम वाले पदार्थों में आहार संदूषण के खतरों की निगरानी संबंधी एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन में समन्वय कर रही है ।

(घ) यह अध्ययन अभी पूरा नहीं हुआ है जिससे कि कोई निष्कर्ष निकाला जा सके या कोई सिफारिश की जा सके । बहरहाल, आधारिक आंकड़े तैयार किए गए हैं और विस्तृत सांख्यिकीय विश्लेषण किया जा रहा है जिससे इस बहु-केन्द्रक अध्ययन की रिपोर्ट का पहला भाग 1991 में तैयार हो जाने की आशा है ।

खेल का सामान बनाने वाले लघु क्षेत्र के एककों की शिकायतें

*354. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 10 जुलाई, 1990 के 'ट्रिब्यून' में 'स्पोर्टस गुड्स मेकर्स आर वीपिंग डिसीव्ड" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि खेल का सामान बनाने वाले लघु क्षेत्र के एककों ने बड़ी औद्योगिक एककों द्वारा की जा रही अनियमितताओं को सरकार की जानकारी में लाते हुए सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने का अनुरोध किया है ;

(ग) यदि हां, तो लघु एककों द्वारा बड़ी कम्पनियों के विरुद्ध क्या आरोप लगाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार ने आरोपों की जांच की है, और यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले; और

(ङ) सरकार ने जांच के परिणामों के आधार पर अब तक क्या कार्यवाही की है ?

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) स्पोर्ट्स गुड्स मेन्यूफेक्चरर्स एंड एक्सपोरटर्स एसोसिएशन, जालन्धर ने आरोप लगाया है कि कुछ कम्पनियां, जिन्हें हाल ही में विदेशी सहयोग के